



# सहकार सुगंध



अंक : 19 वर्ष : 2025, दिसंबर कीमत : 19/रुपये

संपादक :



बनास में शाह ने बायो-सीएनजी प्लांट का किया शुभारंभ

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बनास डेयरी परिसर में नवनिर्मित बायो-सीएनजी एवं फर्टिलाइजर प्लांट का उद्घाटन और 150 टन क्षमता वाले पाउडर प्लांट का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर,...

सतीशचंद्र एक बार  
फिर कैंपको के  
अध्यक्ष हुए निर्वाचित

Sahakar  
Sarathi' को  
अमित शाह ने  
अर्थसमिट  
2025 में लॉन्च  
किया



बड़ी राहत: आरबीआई  
ने ब्रांच स्वीकृति पर  
दंड-आधारित प्रतिबंध  
हटाए



पूर्वांचल का सबसे पुराना

NABH APPROVED

25 वर्षों से लगातार आपकी सेवा में

159 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

## हड्डी अस्पताल

विजय सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

लच्छीरामपुर, आज़मगढ़ | संपर्क करें : 7677981265



हड्डी रोग विशेषज्ञ

श्री मनिष त्रिपाठी



स्त्री रोग विशेषज्ञ

किरण वेदी

संपर्क करें (Contact Us):

9452559494

# कानपुर इंडस्ट्रियल

डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव एस्टेट लिमिटेड

167-बी, उद्योग नगर (दादा नगर) कानपुर-208022

सुरेश पुरी (वाईस चेयरमैन / Vice-Chairman)

विजय कपूर (चेयरमैन / Chairman)

हमारा लक्ष्य-सहकारिता के माध्यम से उद्योगों का विकास

## एलआइसा एम्प्लाइज़ का- ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि.

16/275 सिविल लाइन्स, कानपुर

Advertisement

ऑर्गनिक  
फार्मिंग  
बिज़ एस.  
लि.

Advertisement

- ग्रीन लीफ एग्रो प्रा. लि.
- सनशाइन ट्रेडर्स प्रा. लि.
- ब्लू ओशन एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.
- हैप्पी होम्स बिल्डर्स प्रा. लि.
- स्मार्ट टेक सॉल्यूशन्स प्रा. लि.

# अनुक्रमणिका

1. डॉ. उदय जोशी	5
2. श्री दीपक चौरासिया	6
3. संजय पाचपोर	7
4. बनास में शाह ने बायो-सीएनजी प्लांट का किया शुभारंभ	8
5. उत्तराखण्डः 50 लाख लोगों को सहकारिता से जोड़ने का लक्ष्य	9
6. सहकार भारती ने जितुभाई वघाणी का किया सम्मान	10
7. भारत में सहकारी संस् थाओं की बदलती भूमिका और नए मॉडल।	12
8. सहकार भारती का वैचारक आधार	14
9. सहकारिता — मतलब क्या और यह कैसे काम करती है	15
10. सहकार सुगंध क्या है?	16
11. सहकार सुगंध का वज़न और उद्देश्य	17
12. पाठकों का वग (Readership)	18
13. सहकार सुगंध का भविष्य दृष्टिकोण	19
14. 2025-2026: सहकारता में ताज़ा तथ्य और बड़ी खबरें	20
15. सहयोगी संस् थाओं की संख्या और फैलाव	21
16. निष्कर्ष	22



# डॉ. उदय जोशी

सहकार भारती (Sahakar Bharati) के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष — उदय जोशी — सहकारी आंदोलन एवं सामाजिक-आर्थिक उत्थान के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम हैं।

उदय जोशी के अनुसार — सहकारिता सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता व बराबरी का माध्यम हो सकती है।

उदय जी का जन्म 17 सितंबर 1957 को हुआ था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षक के रूप में की — वे पूर्व में JSM कॉलेज, अलीबाग में 35 साल तक रहे, जहाँ वे HOD (विभागाध्यक्ष) एवं वाइस-प्रिंसिपल तक रहे। वर्ष 2016 में उन्होंने सेवानिवृत्ति ली।

इसके अलावा, वे University of Mumbai के अकादमिक परिषद के सदस्य भी थे। युवावस्था में ही वे Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) से जुड़े — छात्र जीवन से ही सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित कार्यों में सक्रिय रहे।

इसका मकसद है — सहकारी समितियों को मजबूत बनाना, उन्हें पारदर्शी और समाजोपयोगी बनाना, उन तक जागरूकता व शिक्षा पहुंचाना, तथा दलित, पिछड़े और कमज़ोर वर्गों को आर्थिक शक्ति प्रदान करना।





## श्री दीपक चौरसिया

दीपक चौरसिया सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में संगठनात्मक दायित्व निभाने वाले एक प्रतिबद्ध और कर्मठ कार्यकर्ता हैं। वे लंबे समय से सहकारिता आंदोलन से जुड़े हुए हैं और देशभर में सहकार आधारित विकास को मजबूत करने की दिशा में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

दीपक चौरसिया का मानना है कि “सहकार केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना का सशक्त माध्यम है।”

प्रिय साथियों,

सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि विश्वास, साझेदारी और सामूहिक शक्ति का वह भाव है जो सामान्य लोगों को असाधारण कार्य करने की क्षमता देता है।

मैं उन सभी सहयोगियों, वरिष्ठों, कार्यकर्ताओं और सदस्यों को धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने सहकारिता के इस पवित्र अभियान को मजबूत बनाने में योगदान दिया है। आप सभी की मेहनत, निष्ठा और पारदर्शिता ही वह आधार है, जिस पर सहकारिता की पूरी संरचना खड़ी है।

मैं आश्वस्त करता हूँ कि आने वाले समय में भी हम सभी मिलकर सहकारिता को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे—

- अधिक पारदर्शिता,
- अधिक जनभागीदारी,
- और अधिक सामाजिक प्रभाव के साथ।

अंत में, आप सभी के विश्वास, प्रेम और सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद।

आइए, मिलकर सहकारिता को समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाएं और “सबका प्रयास, सबका विकास” की भावना को साकार करें। धन्यवाद।

जय सहकार!



# संजय पाचपोर

संजय पाचपोर सहकार भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। वे संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने, सहकारिता के मूल्यों को समाज तक पहुँचाने और देशभर में सहकारी आंदोलन को संगठित दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संगठनात्मक क्षमता, अनुशासन और कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद उनकी कार्यशैली की विशेषता है। संजय पाचपोर का मुख्य उद्देश्य सहकारिता को केवल एक आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय विकास का माध्यम बनाना है। वे सहकारी संस्थाओं की पारदर्शिता, स्वावलंबन और जनभागीदारी को मजबूत करने के लिए लगातार सक्रिय रहते हैं।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री के रूप में वे विभिन्न राज्यों में संगठन विस्तार, प्रशिक्षण शिविर, विचार-मंथन और मार्गदर्शन कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। उनके नेतृत्व में सहकार भारती का नेटवर्क निरंतर विस्तृत हो रहा है और सहकारिता के प्रति युवाओं व समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता बढ़ रही है।

\* शुभकामना संदेश \*

14–15 सितम्बर, 2024 को सहकार भारती उत्तर प्रदेश प्रांत अधिवेशन अयोध्या में होने जा रहा है यह हर्ष और गौरव का विषय है।

इनके पूर्व अधिवेशन में हमसे कार्य विस्तार का संकल्प लिया था, वह उत्तर प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं ने अधिक अदम्य परिश्रम से पूर्ण किया, और सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

इस अधिवेशन में हम सभी कार्यकर्ता सतत्वद्वाता का संकल्प करें तथा सभी प्रकोष्ठों में सक्रिय टीम खड़ी करने का संकल्प (प्रकोष्ठ रचना को मजबूत करने का)। इसी अपेक्षा के साथ इस अधिवेशन को अंतःतम शुभकामनायें।

संजय पाचपोर  
राष्ट्रीय संगठन मंत्री  
सहकार भारती



# बनास में थाहू ने बायो-सीएनजी प्लांट का किया उद्घाटन



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को बनास डेयरी परिसर में नवनिर्मित बायो-सीएनजी एवं फर्टिलाइज़र प्लांट का उद्घाटन और 150 टन क्षमता वाले पाउडर प्लांट का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, मुरलीधर मोहोल, सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि गलबाभाई नानजीभाई पटेल द्वारा शुरू की गई बनास डेयरी की यात्रा आज 24 हजार करोड़ रुपये के कारोबार तक पहुँच चुकी है। उन्होंने कहा कि “इतना बड़ा कारोबारी ढांचा खड़ा करना किसी भी बड़े कॉरपोरेट के लिए चुनौती होता, लेकिन बनासकांठा की बहनों और किसानों ने इसे संभव कर दिखाया।”

शाह ने बायो-सीएनजी, जैविक खाद, बिजली उत्पादन और गोबर के वैज्ञानिक उपयोग को डेयरी की नई दिशा बताया। उन्होंने कहा कि “गाय-भैंस का एक ग्राम गोबर भी बर्बाद नहीं होगा। इससे बनने वाली कमाई भी किसान के खाते में जाएगी।”

शाह ने घोषणा की कि आगे चलकर देश की सहकारी डेयरियाँ अपना पशु आहार स्वयं तैयार करेंगी, जिससे लाभ सीधे पशुपालकों तक पहुँचेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस पूरी व्यवस्था के लिए तकनीक और वित्तीय ढांचा तैयार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि किसानों के लिए तीन और डेयरी क्षेत्र के लिए तीन—कुल छह नई राष्ट्रीय सहकारी संस्थाएँ गठित की गई हैं, जो उत्पादन से लेकर मार्केटिंग और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन में काम करेंगी। शाह ने कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल लागू होने पर किसानों की कम से कम 20% अतिरिक्त आय सुनिश्चित होगी।

# उत्तराखण्डः 50 लाख लोगों को सहकारिता से जोड़ने का लक्ष्य



हरिद्वार के ऋषिकुल ग्राउंड में आयोजित सहकार मेला 2025 में उत्तराखण्ड के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य ने सहकारिता क्षेत्र में अपनी एक नई और सशक्त पहचान स्थापित की है।

उन्होंने बताया कि पूरा देश इस वर्ष को “सहकार वर्ष” के रूप में मना रहा है, और जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य के सभी 13 जिलों में ऐसे मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय व वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए सरकार केंद्रित ब्रांडिंग अभियान चलाने पर जोर दे रही है।

उन्होंने जानकारी दी कि राज्य में अब तक 30 लाख लोगों को सहकारी संस्थाओं से जोड़ा जा चुका है, और सरकार का लक्ष्य इस संख्या को बढ़ाकर 50 लाख तक पहुंचाने का है।

Advertisement

ग्रीन लीफ  
एग्रो प्रा.  
लि.,  
लखनऊ

# सहकार भारती ने जितुभाई वघाणी का किया सम्मान



आरबीआई केंद्रीय बोर्ड के निदेशक एवं सहकार भारती के संस्थापक सदस्य सतीश मराठे ने गुजरात सरकार में सहकार एवं कृषि मंत्री के रूप में हाल ही में नियुक्त हुए जितुभाई वघाणी का सम्मान किया।

इस अवसर पर सहकार भारती ने मंत्री वघाणी को आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए औपचारिक आमंत्रण भी प्रदान किया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों और राज्य सहकारी बैंकों का है, जो जनवरी 2026 के दूसरे या तीसरे सप्ताह में गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा।

Advertisement

## सनपावर सोलर प्रा. लि., दिल्ली

सौर ऊर्जा समाधान और सोलर  
पैनल इंस्टॉलेशन सेवाएँ

इस दौरान वरिष्ठ सहकारी नेता कांतीभाई पटेल, संजय पाचपोर, शिरीष देशमुख और अजय पटेल भी उपस्थित रहे।



### 3. अमित शाह (सहकारिता मंत्री) का दृष्टिकोण:

अमित शाह सहकारिता को “भारत की आर्थिक आज़ादी का आधार” मानते हैं। उनके अनुसार:

1. सहकारिता का मूल मंत्र है “एक व्यक्ति नहीं, एक समूह की शक्ति।”
2. सहकारिता पंचायत स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक आर्थिक खार्ड को कम करती है।

3. वह सहकारिता को:

- कृषि
- दुध
- मत्स्य
- बीज, उर्वरक
- बैंकिंग
- आवास
- जैसे क्षेत्रों में विस्तार देना चाहते हैं।

# भारत में सहकारी संस् थाओं की बदलती भूमिका और नए मॉडल।



## सहकार भारती क्या है?

सहकार भारती भारत की एक प्रमुख संविचळक, गैर-राजनीतिक और राष्ट्रीय संगठन है, जो देश में सहकारता आंदोलन को मजबूत करने, वस्तार देने और उसे आधुनक जरूरतों के अनुरूप वकसत करने के लए काय करती है।

इसका मुख्य उद्देश्य है—सहकारता को आथक, सामिजिक और राष्ट्रीय वकास का मजबूत आधार बनाना। यह संगठन सहकारी संस्थाओं, समतयों, कसानों, श्रमकों, युवाओं और महलाओं को सहकारता के माध्यम से आत्ममनभर बनने के लए प्रेरत करता है।

सहकार भारती पूरे भारत में सहकारी सदधांतों के प्रचार-प्रसार, प्रशक्षण, नेतृत्व व नमाण और जागरूकता कायक्रमों के माध्यम से एक व्यापक सहकार संस्कृत वकसत कर रहा है।



## स्थापना और संस्थापक का योगदान

5 स्थापना और संस्थापकों का योगदान

सहकार भारती की स् थापना कब और क् यों हुई?

सहकार भारती की स् थापना वष 1978 में इस उद् देश् य से हुई क भारत में सहकारता को केवल आथक गतवध के रू प में नहीं, बिल् क सामिजिक, सांस् कृतक और राष्ट्रीय यवकास के मॉडल के रू प में स् थापत कया जाए।

इसकी नींव इस वचार पर रखी गई क भारत के लाखों ग्रामीण और शहरी परवार, संगठत सहयोग के माध् यम से, अधक सशक् त और आत् मनभर बन सकते हैं।

संस् थापकों का परचय सहकार भारती की स् थापना के प्रे रक और प्रमुख नेतृत् वकता लक्ष् मणराव इंगे, भाऊराव देवरस, और अन् य सहकार-समथक कायकता थे। इन नेताओं का मानना था क भारत के आथक वकास में सहकारता सबसे लोकतांत्र क, न्यायसंगत और सामुदायक मॉडल है।

इन संस् थापकों ने संगठन को केवल संस् थागत रू प नहीं दया, बिल्क सहकारता को जन-जन तक पहुँचाने का आंदोलन बनाया।

Advertisement

हीलिंग  
टच  
क्लिनिक  
प्रा. लि.,  
दिल्ली

# सहकार भारती का वैचारक आधार

सहकार से समृद्ध का सद् धांत संगठन का मूल विश्वास है—"सबका साथ, सबकी भागीदारी और सबकी समृद्ध"। सहकारता का अर्थ केवल आथक गतवधयाँ नहीं, बिल् क सामूहक सोच, साझा वकास और सामिजिक upliftment है।

## सहकारता और भारतीय संस् कृतः

भारतीय परंपरा में सहयोग, साझेदारी और सामुदायक जीवन का गहरा आधार है। सहकार भारती इसी सांस् कृतक धरोहर को आधुनक आथक प्रणाली से जोड़कर एक भारतीय मॉडल की सहकारता प्रस् तुत करता है।



सहकार भारती का संगठनात् मक ढांचा राष्ट्रीय से लेकर स् थानीय स् तर तक का नेटवक

सहकार भारती का नेटवक पूरे देश में फैला है—

- राष्ट्रीय कायालय
- राज् य एवं क्षेत्रीय इकाइयाँ
- दि॒ज़िला और स् थानीय शाखाएँ

यह संरचना संगठन को जमीनी स् तर तक पहुँ



# सहकारिता – मतलब क्या और यह कैसे काम करती है

“सहकारता” का मूल वचार है — साझा स्वामत् व और साझा प्रबंधन। यानी, एक समूह (कसान, श्रमक, उपभोक् ता, कारीगर आद) मलकर — पूँजी, श्रम, संसाधन साझा करते हैं, मल-जुलकर संस् था बनाते हैं, और फायदे व जोखम सब सदस् य (members) में बाँटते हैं।

सहकार संस् था (co-operative society) में —

- सदस्य उसकी मालक होती हैं,
- प्रबंधन लोकतांत्र के होता है (हर सदस् य को एक वोट अधिकार),
- उद्देश्य सफ मुनाफ़ा नहीं रहता — बिल् क सामिजिक, आथक समावेशन,

**सामूहक हत व वकास होता है।**

भारत में सहकारता का इत्हास सदयों पुराना है — ग्रामीण दक्ष णा-पद्धतयों, मल-भांट और सामूहक कृषि/उत् पादन रवाज़ों से। आधुनक काल में सहकारता ने कृषि क्रेडिट, कसान सहकार समतयाँ (PACS/FPO), डेयरी, ग्रामीण क्रेडिट बैंक, उपभोक् ता सहकार, कृषि वपणन, मछली पालन आद क्षेत्रों में बड़ी भूमका नभाई है।



# सहकार सुगंध क्या है?

सहकार सुगंध सहकार भारती द् वारा प्र काशत एक प्र मुख राष्ट्रीय सहकार पत्र का है, जिसका उद्देश् य सहकारता के वचार, मूल् य, गतवधयाँ और सफल मॉडलों को समाज तक पहुँचाना है।

इस पत्र का का मशन है—भारत के सहकारी आंदोलन को सही जानकारी, प्रे रणा और दशा प्र दान करना यह पत्र का सहकारी संस् थाओं के क्षेत्र में काम करने वाले लाखों कायकताओं, सदस् यों, कसानों, महलाओं, युवाओं और उद् यमयों को एक साझा मंच प्र दान करती है, जहाँ वे अनुभव, ज्ञान और नवाचारों को साझा कर सकते हैं।

सहकार भारती का प्र काशन – सहकार सुगंध की पृष्ठभूमि सहकारता के प्र चार-प्र सार की आवश् यकता भारत में सहकारता का इत्हास पुराना है, लेकن इसकी वास् तवक शिक् त समाज तक पहुँचाने के लए एक प्र भावी माध् यम की आवश् यकता थी। इसी उद्देश् य से सहकार भारती ने सहकार सुगंध का प्र काशन शुरू क्या—ताक सहकारता केवल पुस् तकों तक सीमत न रहे, बिल् क लोगों की सोच, काम और व् यवहार में शामल हो

Advertisement

**गोल्डन एज सीनियर केयर  
प्रा. लि., लखनऊ**

Advertisement

**फ्यूचर माइंड्स अकादमी  
प्रा. लि., मुंबई**

# सहकार सुगंध का वर्जन और उद्देश्य

सहकारता को आधुनिक और प्रभावी बनाना पत्र का का उद्देश्य है कि भारत में सहकारी संस् थाएँ केवल पारंपरिक संरचनाओं में न चलें, बिल्कु तकनीकी, डिजिटल और नवाचार आधारत मॉडल अपनाएँ।

90 सहकारी कायकर्ताओं को दशा देना सहकार सुगंध उन सभी लोगों के लए एक मागदशक का काय करता है, जो सहकारता के सद्वान्तों को अपने क्षेत्र में लागू करना चाहते हैं—चाहे वह कृषि, बैंकिंग, डेयरी, लघु उद्योग, हस् तकला, ग्रमीण वकास या कौशल वकास हो। सहकारता को राष्ट्रीय वकास की मुख्यधारा में लाना

## सहकार सुगंध की प्रमुख वशेषताएँ

सरल, प्रभावी और प्रेरक सामग्रीपत्र का की भाषा सरल, स् पष्ट और आम जनता के लए समझने योग्य है। इसका उद्देश्य ज्ञान देना ही नहीं, बिल् के प्रेरत करना भी है। क्षेत्रीय और राष्ट्रीय कवरेज इसमें राष्ट्रीय स् तर से लेकर राज् य और ज़िला स् तर तक सहकारी गतवधयों का वस् तृत ववरण शामल होता है—जससे पाठक पूरे भारत में चल रही पहलें जान पाते हैं। वशेषज्ञों के वश् लेषण और वचार पत्र का में सहकारता क्षेत्र के वशेषज्ञों, नीति-नमाताओं और अनुभवी कायकर्ताओं



# पाठकों का वर्ग (Readership)

सहकारी समतयों के सदस्यों FPO, PACS, डेयरी, बैंकिंग और SHG समूहों में कायरत लाखों सदस्य नयमत पाठक हैं। कसान और ग्रमीण उद्यमी कृषि आधारत सहकार मॉडल समझने के लए यह पत्र का उपयोगी है। शक्ति वाद, शोधकता और नीति नमाता सहकारता पर काय करने वाले छात्रों, शक्ति कों और शोधकताओं के लए यह एक महत्वपूर्ण संदभ पत्र का है।

युवा और महला उद्यमी Yuva Sahakar & Mahila Sahakar के माध्यम से युवा और महलाएँ सहकारी गतवधयों से जुड़ने के लए प्रेरणा होती हैं। सहकार सुगंध का भवष्य दृष्टिकोण डिजिटल संस्करण की ओर अग्र सर पत्र का डिजिटल प्रलेटफॉर्म पर उपलब्ध होकर अधक पाठकों तक पहुँचने की दशा में आगे बढ़ रही है।

नए युग की सामग्री अगले संस्करणों में स्टाटअप मॉडल, ग्रामीण नवाचार, डिजिटल कृषि, टेक-आधारत सहकार और सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर अधक फोकस क्या जाएगा।

Advertisement

## ब्राइट पाथ लर्निंग प्रा. लि., बैंगलोर

Advertisement

## स्मार्ट माइंड्स ट्रेनिंग प्रा. लि., सूरत

उन्नत कौशल विकास और प्रोफेशनल ट्रेनिंग का विश्वसनीय संस्थान।

# सहकार सुगंध का भविष्य दृष्टिकोण

डिजिटल संस् करण की ओर अग्र सरपत्र का डिजिटल प् लेटफॉम पर उपलब् ध होकर अधक पाठकों तक पहुँचने की दशा में आगे बढ़ रही है। नए युग की सामग्री अगले संस् करणों में स् टाटअप मॉडल, ग्रा मीण नवाचार, डिजिटल कृषि, टेक-आधारत सहकार और सस् टेनेबल डेवलपमेंट पर अधक फोकस कया जाएगा। राष्ट्रीय स् तर पर सहकारता का एकीकृत मंच लक्ष्य है कि सहकार सुगंध केवल पत्र का न होकर—सहकारता का राष्ट्रीय ज्ञान मंच बनकर उभरे।

सहकार सुगंध (सहकार भारती का मुख्यपत्र) का भविष्य दृष्टिकोण सहकारिता को मजबूत करना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का उत्थान करना और भारतीय संस्कृति के सहयोगी सिद्धांतों को पुनर्जीवित करना है, जिसका लक्ष्य निजीकरण के बजाय सहकारिता के माध्यम से समाज का आर्थिक विकास करना है, जैसा कि इसके लेखों और सहकार भारती के मिशन से पता चलता है, जो भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता पर जोर देता है।

## भविष्य के प्रमुख बिंदु:

- **सहकारिता का शुद्धिकरण :** सहकारिता आंदोलन को भ्रष्टाचार और कमियों से मुक्त करके उसे अधिक प्रभावी और जनता-केंद्रित बनाना।
- **आर्थिक सशक्तिकरण :** किसानों और आम लोगों को सहकारी समितियों के माध्यम से सशक्त बनाना, उन्हें निजी कंपनियों के शोषण से बचाना।
- **सांस्कृतिक जुड़ाव :** भारतीय संस्कृति के 'एकता और सहयोग' के मूल सिद्धांतों को सहकारिता के माध्यम से फिर से स्थापित करना।
- **ग्रामीण अर्थव्यवस्था का पुनरुद्धार :** ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता लाना और कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करना।
- **नीतिगत वकालत ;** सरकार पर सहकारिता के पक्ष में नीतियां बनाने और निजीकरण को सीमित करने का दबाव बनाना।

सहकार सुगंध का भविष्य सहकारिता को केवल एक आर्थिक मॉडल के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में देखने और इसे भारत के समग्र विकास के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बनाने पर केंद्रित है।

# 2025-2026: सहकारता में ताज़ा तथ्य और बड़ी खबरें



नई National Cooperative Policy 2025 (NCP 2025) — सहकारता को नया आयाम

- 24 जुलाई 2025 को, भारत सरकार ने National Cooperative Policy 2025 को घोषित किया। इसका लक्ष्य है कि देश के हर गाँव/पंचायत में कम-से-कम एक सहकारी संस्था हो।
- इस नीति का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं को पेशेवर, पारदर्श, तकनीक-सक्षम और आधिकरण से आत्ममन्भव बनाना है।
- नीति के तहत अगले कुछ वर्ष में 2 लाख नए बहुउद्दीय सहकारी समतयाँ (PACS, डेयरी, मत्स्य, कसान उत्पादक संगठन आद.) स्थापित करने की योजना है।

# सहयोगी संस्थाओं की संख्या और फैलाव

भारत में अनुमानत लगभग 8.5 लाख से ज् यादा सहकारी समतयाँ हैं, जो करोड़ों लोगों को (कसानों, ग्रामीणों, श्रमकों) रोजगार, वृत्तीय सुवधा, सामिजिक सुरक्षा आं और सामूहिक वकास प्रदान करती हैं।

- सहकारता क्षेत्र में सुधार के लए 2023 में पारत वधक सुधार (governancere forms) आए हैं, जिनसे पारदशता, जवाबदेही और बेहतर प्रबंधन को बढ़ावा मला है। चुनौतयाँ — और सहकारता में सुधार की ज़रूरत हालाँक सहकारता में बहुत संभावनाएँ हैं, फर भी कुछ चुनौतयाँ हैं:
- कई सहकारी संस्थाओं में प्रबंधन की कमजोरयाँ, पारदशता की कमी, सीमत तकनीकी उपयोग, और NPAs / वृत्तीय जिस्थरता देखने को मलती है।
- डिजिटल उपकरणों और आधुनक प्रबंधन पद्धतयों को अपनाने में देरी — वशेषकर ग्रामीण व कम संसाधन वाले क्षेत्रों में — सहकारता की गत को धीमाकर देती है।
- सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और स्थानीय नेतृत्व की कमी — कभी-कभी सहकारसमतयाँ सफ कागजों में सीमत रह जाती हैं, वास्तवक सामूहिक शिक्षा नहीं बन पातीं।
- विद्या भारती: शिक्षा के क्षेत्र में 18,000 से अधिक शैक्षिक संस्थानों का एक विशाल नेटवर्क.
- वनवासी कल्याण आश्रम: भारत के वनवासी (आदिवासी) क्षेत्रों में गहरी पैठ, कई राज्यों और जिलों में कार्यरत.
- विश्व हिंदू परिषद (VHP): पूरे भारत और विदेशों में हिंदू समाज को संगठित करने का लक्ष्य, हज़ारों शाखाएँ और करोड़ों सदस्य.

# निष्कर्ष

सहकारिता केवल एक आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक प्रगति का ऐसा शक्तिशाली माध्यम है जो लोगों को जोड़ते हुए आत्मनिर्भरता की ओर ले जाता है। यह मॉडल विश्वास, पारदर्शिता और साझा हितों पर आधारित है, जहाँ हर सदस्य न केवल भागीदार बनता है बल्कि परिवर्तन का वाहक भी होता है। आज के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिवेश में सहकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि यह ग्रामीण विकास, महिलाओं के सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता का मजबूत आधार प्रदान करती है। इसलिए, सहकारिता को आधुनिक तकनीक, नवाचार और नीतिगत समर्थन के साथ आगे बढ़ाना समय की मांग है, ताकि यह देश के विकास में एक स्थायी और समावेशी योगदान दे सके।

Advertisement



Advertisement

# स्वरूप केमिकल प्रा. लि.

कानपूर - 208022

किसानों की समृद्धि – हमारी  
पहली प्राथमिकता

देश की कृषि को सुरक्षित, उन्नत और  
आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ,  
स्वरूप केमिकल प्राइवेट लिमिटेड वर्षों से  
किसानों का विश्वसनीय सहयोगी रहा है।